Vardhaman Mahaveer Open University
Rawatbhata Road, Kota (Raj.)

एम.ए. हिन्दी
(उत्तरार्द्ध)

Internal Assignment
Course Code MAHD - 05 to 10
आतंरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य
पाठ्यक्रम – एमएएचडी 05 से 10

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय
रावतभाटा रोड कोटा (राजस्थान) 324021

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
आन्तरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय कार्य MAHD-05 to MAHD-10

प्रिय छात्र,

आपको एमएएचडी 05 से 10 तक पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है :–

पाठ्यक्रम कोड़	प्रश्न पत्र का नाम
एमएएचडी –05	नाटक व कथेतर गद्य विधाएं
एमएएचडी –06	कथा साहित्य
एमएएचडी –07	भाशा विज्ञान
एमएएचडी –08	आधुनिक हिन्दी कविता व गीत परम्परा
एमएएचडी –09	लोक साहित्य
एमएएचडी –10	जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता

आपके प्रश्न'पत्र में आपको सत्रीय कार्य करने हैं। इन्हे पूरा करके आप अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 20 अंक का है। दो श्रेष्ठ प्रश्नों के उत्तरों के प्राप्तांक आपकी सत्रांक परीक्षा के साथ जोड़े जायेंगे। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांक नहीं होता है, और न ही इन्हे सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता हैं। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न–पत्र के सत्रीय कार्य अलग–अलग फाईल में नत्थी करें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अकिंत करें।

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)
(एम.ए. उत्तरार्द्ध)

स्कॉलर संख्या

छात्र का नाम ..... सत्रीय कार्य संख्या .....
पिता का नाम..... पाठ्यक्रम का कोड .....
पाठ्यक्रम का नाम .....
जमा करवाने का दिनांक .....अध्ययन केन्द्र का नाम.....
क्षेत्रीय केन्द्र का नाम .....
पत्र व्यवहार का पता.....

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 05 Course Code: MAHD – 05

नाटक व कथेतर गद्य विधाएं

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए –

आकाश में हवाई जहाज नहीं थे और न बम ही गिर रहे थे । किन्तु चारों तरफ आग दहक रही थी, जिससे लपटों की जगह कंकाल उठ रहे थे, जिससे औरतों को सतीत्व भस्म हो रहा था। वह आग एक प्राचीन संस्कृति को भून रही थी ।

अथवा

''इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा, आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संभावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है । मन में यह प्रतीति ही नहीं होती कि अब संतान समर्थ है,बड़े–से–बड़ा संकट झेल लेगी ।''

(2) 'अशोक के फूल' निबन्ध में सांस्कृतिक बोध की विवेचना कीजिए।

अथवा

'आधे अधूरे' में सावित्री के चरित्र–चित्रण का उल्लेख कीजिए ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) निबन्ध के प्रकारों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' की व्यंग्य चेतना ।

(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध कला का विवेचन ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 05 Course Code: MAHD – 05

नाटक व कथेतर गद्य विधाएं

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए –

मनुष्य के शरीर के जैसे दक्षिण और बाम दो पक्ष होते हैं , वैसे ही उनके हृदय के भी कोमल और कठोर, मधुर और तीक्ष्ण, दो पक्ष हैं और बराबर रहेंगे । काव्यकला की पूरी रमणीयता इन दोनों पक्षों के समन्वय के बीच मंगल या सौन्दर्य के विकास में दिखाई पड़ती है ।

अथवा

लोक में फैली दुःख की छाया हटाने में ब्रह्म की आनंद कला जो शक्तिमय रूप धारण करती है, उसकी भीषणता में भी अद्भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंडता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है । विरूद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता । इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है । भीषणता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता, प्रचंडता और मृदुता का सामंजस्य ही लोकधर्म का सौन्दर्य है ।

(2) 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' निबन्ध की विवेचना कीजिए ।

अथवा

'आधे–अधूरे' नाटक की रंगमंचीय योजना का विवेचना कीजिए ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) निबन्धकार रामचन्द्र शुक्ल का व्यक्तित्व व कृत्तित्व परिचय ।

(ख) 'चन्द्रगुप्त' नाटक का ऐतिहासिक विवेचन ।

(ग) मोहन राकेश की नाट्य दृष्टि ।

(घ) 'आवारा मसीहा' निबन्ध का प्रतिपाद्य ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 06 Course Code: MAHD – 06

कथा साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए ।

''मुझे विश्वास है कि विद्रोही बनते नहीं उत्पन्न होते है,विद्रोह बुद्धि परिस्थितियों से संघर्ष की सामर्थ्य जीवन की क्रियाओं से परिस्थितियों के घात–प्रतिघात से नहीं निर्मित होती, वह आत्मा का कृत्रिम परिवेष्टन नहीं है । मैं नहीं मानता कि देव कुछ है क्योंकि हममें कोई विवशता कोई बाध्यता है तो वह बाहरी नहीं भीतरी है, यदि बाहरी होती, परकीय होती तो हम उसे देव कह सकते पर वह तो भीतरी है हमारी अपनी है उसके पक्के होने के लिए भले ही बाहरी निमित्त है उसे हम व्यक्तित्व निमित्त कह सकते है ।''

अथवा

अब मेरे पास दो ही रास्ते हैं । एक यह कि होश आने से पहले मैं उसे जान से मार डालूं ओर दूसरा यह कि अपना जरूरी सामान बांधकर तैयार हो जाऊं और ज्यूं ही उसे होश आये, हम दोनों फिर उसी रास्ते पर चल दें, जिससे भागकर कुछ बरस पहले मैंने मालो की गोद में पनाह ली थी ।

(2) कहानी 'मेरा दुश्मन' मनुष्यता के वास्तविक दुश्मनों की तलाश करती है । स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'समय सरगम' उपन्यास की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) कहानी और उपन्यास में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मधुआ' में शराबी का चरित्र–चित्रण समझाइये ।

(ग) प्रेमचन्द्र के उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय ।

(घ) अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता को स्पष्ट कीजिए ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 06 Course Code: MAHD – 06

कथा साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

(1) निम्न गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए ।

कौन नहीं है आज वहाँ? सारा गाँव है,जो उसके इशारे पर नाचता था कभी । उसकी आसामियाँ हैं जिन्हें उसने अपने नाते –रिश्तों से कभी कम नहीं समझा । लेकिन नहीं, आज उसका कोई नहीं, आज वह अकेली है? यह भीड़ की भीड़ ,उनमें कुल्लूवाल के जाट । वह क्या सुबह ही न समझा गयी थी ?

अथवा

कोई नृत्य और गान की मजलिस सजाता था, तो कोई अफीम की पीनक ही में मजे लेता था । जीवन के प्रत्येक विभाग में आमोद–प्रमोद का प्राधान्य था । शासन–विभाग में, साहित्य–क्षेत्र में, सामाजिक अवस्था में, कला – कौशल में, उद्योग–धन्धों में, आहार–व्यवहार में सर्वत्र विलासिता व्याप्त हो रही थी ।

(2) कहानी की परिभाषा, स्वरूप व विकास को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'गोदान' में कृषक जीवन की समस्या को समझाइये ।

(3) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) अमरकान्त की 'जिन्दगी और जोंक' कहानी का प्रतिपाद्य ।

(ख) 'पत्नी' में नारी पात्र की विशिष्टता को दर्शाइये ।

(ग) 'महाराजा का इलाज' कहानी की मूल संवेदना ।

(घ) 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 07 Course Code: MAHD – 07

भाशा विज्ञान

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. भाषा विज्ञान की विभिन्न दशाओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 2. किन्हीं दो समाज विज्ञानों से भाषा विज्ञान का सबंधं बताइए ।

अथवा

ध्वनि एवं अर्थ विज्ञान की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) पूर्वी हिन्दी का परिचय ।

(ख) भारोपीय भाषाओं का क्षेत्र ।

(ग) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास ।

(घ) बांगरू की विशेषताएं ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 07 Course Code: MAHD – 07

भाशा विज्ञान

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है, (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1.भाषा के उद्भव के सबंधं में प्राप्त विभिन्न मतों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अथवा

वाक्य विज्ञान की परिभाषा लिखते हुए वाक्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2.ध्वनि किसे कहते है ? इसके विविध आयामों का परिचय दीजिए ।

अथवा

हिन्दी भाषा की प्रमुख उपभाषाओं और बोलियों पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) भाषा और लिपि का पारस्परिक संबंध ।

(ख) भाषा के अभिलक्षण ।

(ग) पालि और प्राकृत में अंतर ।

(घ) अर्थ विज्ञान का स्वरूप ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 08 Course Code: MAHD – 08

आधुनिक हिन्दी कविता व गीत परम्परा

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है ,जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(क) इस नदी का
इस शहर से कोई सम्बन्ध नहीं है ।
फिर भी नदी शहर की है ।
इसको कोई पियरी नहीं चढ़ाता
न आदमी रामनामी डाले
सुबह तड़के भागते दिखाई देते है,
न अधेड़ औरतें ठाकुर जी का
सिहांसन लिए बतियाती जाती हैं ।

अथवा

सुख की शीतल छाया को पाकर भी
मैं दुःख की जलती धूप नहीं भूला
चंदा की उजली चाँदनियाँ पाकर
काली रातों का रूप नहीं भूला
मैं रातों को भी दिन–सा चमकाता
यदि मेरी आयु न होती बंधन में ।

प्रश्न 2. नरेश मेहता के काव्य में संवेदना और शिल्प पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

अथवा

नयी कविता की सामान्य विशेषताएं लिखिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) मुक्तिबोध की काव्य भाषा पर विचार ।

(ख) 'असिद्ध की व्यथा' कविता का मूल भाव ।

(ग) 'कुआनो नदी' कविता की मूल संवेदना ।

(घ) नंदकिशोर आचार्य के व्यक्तित्व का परिचय ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 08 Course Code: MAHD – 08

आधुनिक हिन्दी कविता व गीत परम्परा

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा 2 विवेचना परक है ,जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

तुमने महाकायी, ले जाओ अब तुम ही
वेणी की गन्ध से क्या
प्यासे मकरन्द से तुम्हें क्या?
जो भी नयनाभिराम सपने हैं मेरे
आँखों से अपनी ढुलका दो
ऋतुओं के रंगों के बहुरूपी परदे
प्राणों के मंच से हटा दो
हमराहिन आँधी बन आओ अब तुम ही
पथ के सम्बन्ध से तुम्हें क्या
पिछले प्रतिबन्ध से मुझे क्या?

अथवा

भूल–गलती
आज बैठी है जिरहबख्तर पहन कर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखें चिलती हैं नुकीले तेज पत्थर–सी,
खड़ी हैं सिर झुकाये
सब कतारें/बेजुबाँ बेबस सलाम में
अनगिनत खम्भों व मेहराबों –थमे
दरबारे–आम में,

प्रश्न 2. समकालीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

अथवा

'शमशेर प्रेम और सौन्दर्य के कवि हैं' आप इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3.निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) नरेश मेहता के काव्य में संवेदना ।
(ख) गिरिजाकुमार माथुर के काव्य में वैज्ञानिक चेतना ।
(ग) सर्वेश्वर के काव्य के अनुभूति पक्ष की प्रमुख विशेषताएं ।
(घ) धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व व कृतित्व का परिचय ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 09 Course Code: MAHD – 09

लोक साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं ,शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. ''किसी भी राष्ट्र की आत्मा का सच्चा प्रतिबिम्ब उसकी लोक संस्कृति में निहित रहता है ।'' इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकसाहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से क्या संबंध है ?

प्रश्न 2. लोक साहित्य के लक्षण और महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

अथवा

लोक साहित्य का अर्थ बताते हुए उसके क्षेत्र विस्तार पर भी प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) राजस्थान की लोककथाओं का वर्गीकरण ।

(ख) लोक नाट्य की विशेषताएं ।

(ग) लोक नाट्य शैलियों में से किन्हीं दो का विवेचन ।

(घ) लोक विश्वासों का जीवन में महत्त्व ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 09 Course Code: MAHD – 09

लोक साहित्य

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. लोकसाहित्य के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'लोकगाथा का रचयिता अज्ञात होता है' कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. 'लोकगीत' किसे कहते हैं? लोकगीतों की परिभाषा देते हुए राजस्थानी जन–जनजीवन में लोकगीतों का महत्त्व बताइये ।

अथवा

राजस्थानी लोक कथाओं की परम्परा समझाइये ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) ब्रजभाषा के क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) लोक कथाओं की विशेषताएं ।

(ग) लोक संस्कृति का अर्थ ।

(घ) लोक साहित्य की परिभाषा और स्वरूप ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 10 Course Code: MAHD – 10

जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं, शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. जनसंचार माध्यमों के आधुनिक विकास का सोदाहरण महत्त्व बताइए ।

अथवा

जनसंचार के क्षेत्र में टेलीविजन के आगमन के महत्त्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2. संचार एवं जनसंचार में अन्तर स्पष्ट करते हुए संचार के विविध रूपों का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

जनसंचार के माध्यम से किन–किन लक्ष्यों की पूर्ति की जा सकती है ? सोदाहरण बताइए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) जनसंचार के परंपरागत माध्यमों का उल्लेख ।

(ख) समाज के लिए जनसंचार का महत्त्व ।

(ग) जनसंचार की परिभाषाएं ।

(घ) भारत के जनसंचार माध्यमों में स्त्री ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

M.A. Hihdi (Final) एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

पाठ्यक्रम कोड – एमएएचडी – 10 Course Code: MAHD – 10

जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं ,शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं । (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों पर एक लेख लिखिए ।

अथवा

साहित्यिक भाषा और सिनेमाई भाषा के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. आधुनिक प्रौद्योगिकी ने जनसंचार माध्यमों को किस प्रकार प्रभावित किया है ?

सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

जनसंचार के संप्रेषण सिद्धांतों का महत्त्व बताते हुए उनकी व्याख्या कीजिए ।

प्रश्न 3. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) सूचना की आवश्यकता ।

(ख) जनसंचार के कार्य ।

(ग) जनसंचार साधनों का दुष्प्रभाव ।

(घ) जनसंचार में इंटरनेट की उपयोगिता ।